Sambasadashiva Stotram Sankirtanam

साम्बसदाशिवस्तोत्रम् संकीर्तनम्

Document Information

Text title : Sambasadashiva Stotram

File name : sAmbasadAshivastotram.itx

Category : shiva, sanskritgeet

Location : doc_shiva

Proofread by : Ruma Dewan, Rajani Arjun Shankar

Description/comments : from the CD, 'Sankirtana Sangraha 1' published by Ramakrishna Mission Saradapitha

Latest update : February 28, 2025

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

March 3, 2025

sanskritdocuments.org

Sambasadashiva Stotram Sankirtanam

साम्बसदाशिवस्तोत्रम् संकीर्तनम्

साम्बसदाशिव साम्बसदाशिव साम्बसदाशिव साम्ब शिव (हर)।
साम्बसदाशिव साम्बसदाशिव साम्बसदाशिव साम्ब शिव (हर) ॥ ध्रु.॥

पूर्णपरात्पर परमकृपार्णव अगणितगुणगण मुदित शिव (हर) ॥ १॥

अद्भुतमौलिक चन्द्रकलाधर अमराधीश्वर गिरिश शिव (हर) ॥ २॥

पुरुषपुरातन ब्रह्मसनातन स्वानन्दामृतमत्त शिव (हर) ॥ ३॥ (साम्ब..)

नीलकण्ठ शिव सङ्कटमोचन निखिलाधीश्वर सकल शिव (हर) ॥ ४॥ (सङ्कटमोचक)

अमितगुणार्णव चन्द्रेश्वर शिव अचलनिवास सुरेश शिव (हर) ॥ ५॥

सुरनरसेवित श्रीहरिपूजित इन्द्राद्यर्थित जनक शिव (हर) ॥ ६॥ (साम्ब..)

त्रिशूलधारण भुजगविभूषण अन्धकरिपु शितिकण्ठ शिव (हर) ॥ ७॥

त्रिभुवनपालक त्रिभुवननाशक रिपुगणसूदक सुखद शिव (हर) ॥ ८॥

ईश महेश नटेश कृपार्णव केशवसेवित पूर्ण शिव (हर) ॥ ९॥ (साम्ब..)

मायाधीश्वर नटनमनोहर अखिलजनाश्रय श्रेष्ठ शिव (हर) ॥ १०॥

शम्भु त्रिलोचन मौलिविभूषण दनुजविनाशन भयद शिव (हर) ॥ ११॥

कलिमलनाशन शिव पञ्चानन रावणसेवित वरद शिव (हर) ॥ १२॥ (साम्ब..)

मन्मथशासन ज्ञानहुताशन यतिजनतोषन रुचिर शिव (हर) ॥ १३॥

भुवनमहेश्वर चिन्मयदीपक ऐश्वर्यान्वित मोद शिव (हर) ॥ १४॥

एकानेक स्वरूप सदाशिव व्याघ्राम्बरधर सुभग शिव (हर) ॥ १५॥ (साम्ब..)

हृदयविकासन मतिमलनाशन फणिगणभूषण मधुर शिव (हर) ॥ १६॥

त्र्यम्बक भार्गवपूजित शङ्कर मोहविनाशक बोध शिव (हर) ॥ १७॥

जन्मजरामरणादिविनाशन तोषविवर्धन शुभद शिव (हर) ॥ १८॥ (साम्ब..)

सुरदलनायक जयसुखकारक दोषनिवारक धवल शिव (हर) ॥ १९॥

तापत्रयहर वदनमनोहर नन्दीश्वर शिव चरम शिव (हर) ॥ २०॥

विनयप्रसारक गतिमतिदायक चिरशुभसाधक सतत शिव (हर) ॥ २१॥ (साम्ब..)

ओङ्कारप्रिय योगीजनाश्रय अजरामरस्वर धीश शिव (हर) ॥ २२॥

निर्गुण गुणमय भुवनाधीश्वर निजजनपालक सौम्य शिव (हर) ॥ २३॥

करुणासागर शान्तसुधार्णव साधकहितकर वन्द्य शिव (हर) ॥ २४॥ (साम्ब..)

बिल्वदलप्रिय ध्यानीश्वर शिव व्योमाम्बरधर दयित शिव (हर) ॥ २५॥

गौरीप्रियकर दीनजनाश्रय श्रीपतिपूजित प्रणव शिव (हर) ॥ २६॥

शापविमोचन तापनिवारण भवभयनाशन रौद्र शिव (हर) ॥ २७॥ (साम्ब..)

कामेश्वर शिव नटराजेश्वर श्रीपरमेश्वर भव्य शिव (हर) ॥ २८॥

स्वानन्दामृतवर्षक शङ्कर अघतिमिरान्तकसूर्य शिव (हर) ॥ २९॥

अन्तकशासन घातकभञ्जन पुरुष निरञ्जन भूप शिव (हर) ॥ ३०॥ (साम्ब..)

आशुतोष हर शिव गङ्गाधर चन्द्रचूड गुरु दिव्य शिव (हर) ॥ ३१॥

राजेश्वर शिव मोक्षविधायक धूर्जटि शङ्कर शुभ्र शिव (हर) ॥ ३२॥

करुणामय हर वरदाभयकर भुवनमनोहर परमशिव (हर) ॥ ३३॥ (साम्ब..)

स्थावरजङ्गमसकलविलक्षण शोकनिवारण पूर्ण शिव (हर) ॥ ३४॥

गिरिजापति-गिरिजेश जटाधर शशाङ्कशेखर योगि-शिव (हर) ॥ ३५॥

कुहकविघातन पातकनाशन मदनविमर्दन वीर शिव (हर) ॥ ३६॥ (साम्ब..)

ज्ञानेश्वर शिव विज्ञानेश्वर मोक्षद योगद सर्व शिव (हर) ॥ ३७॥

हृत्कमलासन ज्ञानप्रसारण तरुणारुणसमशोभ शिव (हर) ॥ ३८॥

मृढ मृगधर हर गौरीश्वर शिव धीश भवेश सुरेश शिव (हर) ॥ ३९॥ (साम्ब..)

नागचर्मधर नागेश्वर हर ईश चिदम्बर ज्येष्ठ शिव (हर) ॥ ४०॥

योगेश्वर हर योगीजनप्रिय योगविदांवर श्रेष्ठ शिव (हर) ॥ ४१॥

ओङ्कारेश्वर व्यापक निर्मल धवलहिमाचलवासि शिव (हर) ॥ ४२॥ (धवलहिमाचलवासी)

जगद्रूपधर वीरभद्र शिव भूताधिप हर विमल शिव (हर) ॥ ४३॥

ऋषभध्वज शिव भव्य सुरर्षभ रुद्रेश्वर हर घोर शिव (हर) ॥ ४४॥

सुरगणरञ्जक ताण्डवनर्तक भुवनाधिप करुणेश शिव (हर) ॥ ४५॥ (साम्ब..)

भस्मविलेपन चण्डविनाशन भास्वरलोचन भगद शिव (हर) ॥ ४६॥ (दण्डविनाशन)

निरुपम निष्कल वागीश्वर शिव दर्पविमर्दक काल शिव (हर) ॥ ४७॥

प्रेमसुधार्णव प्रमथाधिप हर भीतजनाभयबलद शिव (हर) ॥ ४८॥ (साम्ब..)

पन्नगभूषण हर पुरुषोत्तम परमानन्द परेश शिव (हर) ॥ ४९॥

विबुधविनोदन भजकविबोधन वीरेश्वर शिव वीर शिव (हर) ॥ ५०॥

हालाहलधर वामाधर शिव भयहर सुन्दर ललित शिव (हर) ॥ ५१॥ (साम्ब..)

कालीश्वर शिव कालमहेश्वर कैलासेश्वर सदय शिव (हर) ॥ ५२॥

अर्धनटेश्वर पूर्णमहेश्वर शान्तिसुधाकर शरभ शिव (हर) ॥ ५३॥

संसारार्णवतारक शङ्कर सहजानन्द महेश शिव (हर) ॥ ५४॥ (साम्ब..)

रामवरप्रद रामेश्वर शिव राघवपूजित रम्य शिव (हर) ॥ ५५॥

पाशुपतास्त्रद किरातमदहर अर्जुनसेवित शरण शिव (हर) ॥ ५६॥

जय शिवशङ्कर गिरिजावल्लभ दक्षमखान्तक विकट शिव (हर) ॥ ५७॥ (साम्ब..)

रामकृष्णप्रिय त्यागीश्वर हर मङ्गलकारक बोध शिव (हर) ॥ ५८॥

चक्रसुदर्शनदायक तारक हर कृष्णेश्वर तत्त्व शिव (हर) ॥ ५९॥

लावण्येश्वर शरधर नटवर लावण्यामृत लसित शिव (हर) ॥ ६०॥ (साम्ब..)

विवेकभास्कर ज्ञानकलाधर जडतमनाशक ध्रौव्य शिव (हर) ॥ ६१॥

सर्वज्ञेश्वर गुरु स्मरहर भव चिन्मयरूप चिदीश शिव (हर) ॥ ६२॥

आदिगिरीश्वर भक्तजनोद्धर वह्निभानुशशिनेत्र शिव (हर) ॥ ६३॥ (साम्ब..)

वामदेव प्रभु निखिलजगद्गुरु हरिशरगिरिधनुराभ शिव (हर) ॥ ६४॥

गौरीपति गिरिजेश शिवावर व्योमकेश श्रीकण्ठ शिव (हर) ॥ ६५॥

अघमखपुरभय भवगदरिपुहर अजगवशशधरधारि शिव (हर) ॥ ६६॥ (अजगवशशधरधारी)

श्रुतिशतश्रावित सहस्रशीर्षक विश्वनाथ तारेश शिव (हर) ॥ ६७॥

सर्वजगत्त्रयसाक्षी सुरेश्वर सकलनयोद्गम शर्म शिव (हर) ॥ ६८॥

सार्वभौमनृप गुरु परमेश्वर निखिलचराचरसेव्य शिव (हर) ॥ ६९॥ (साम्ब..)

अद्वैतामृतशान्तिसुखप्रद आदिचिदीश्वर विशद शिव (हर) ॥ ७०॥

बालचन्द्रधर तरुणमनोहर भानुकोटिसमदीप्त शिव (हर) ॥ ७१॥

मङ्गलनायक लोकेश्वर हर षण्मुखगजमुखजनक शिव (हर) ॥ ७२॥ (साम्ब..)

उपमन्युप्रिय महाबलेश्वर वरद पयोऽर्णवदत्त शिव (हर) ॥ ७३॥

सर्वशास्त्रनिर्देशक शङ्कर डिमिडिमिडमरुनिनाद शिव (हर) ॥ ७४॥

देवदेव भव बाणेश्वर शिव दीनजनप्रिय नयद शिव (हर) ॥ ७५॥ (साम्ब..)

कृतान्तशासक मार्कण्डेश्वर मृत्युञ्जय शिव वरद शिव (हर) ॥ ७६॥

तुङ्गनाथ रुद्राक्षधर प्रिय पिनाकधर हर भर्ग शिव (हर) ॥ ७७॥

आदिनाथ श्रीकेदारेश्वर शक्तिसमन्वित सर्व शिव (हर) ॥ ७८॥ (साम्ब..)

धर्मकर्मसर्वस्वसमर्पण वेदशिखोत्थितमर्म शिव (हर) ॥ ७९॥

दशकाष्टकस्तुत महादेव शिव निगमागममथितार्थ शिव (हर) ॥ ८०॥

ब्रह्मपरात्पर पूर्ण महेश्वर सर्वचराचरपूर्ण शिव (हर) ॥ ८१॥ (साम्ब..)

साम्बसदाशिव साम्बसदाशिव साम्बसदाशिव साम्ब शिव (हर) ।
साम्बसदाशिव साम्बसदाशिव साम्बसदाशिव साम्ब शिव ॥

इति साम्बसदाशिवस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

73 - पयोऽर्णवदत्त payas arNava datta
The word is based on the story (connected to Chidambaram Sthala Purana) that when Rishi Upamanyu (son of Rishi Vyaaghrapaada) was a child , he cried for milk and Shiva in his great mercy, gave him the entire milk-ocean. There is a tank TiruppaarkaDal (meaning milk ocean) in Chidambaram (though not known by that name to public now). The story is found in almost all of Shiva texts - including ShivaRahasyam.

Proofread by Ruma Dewan, Rajani Arjun Shankar

Sambasadashiva Stotram Sankirtanam
pdf was typeset on March 3, 2025

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*